VOL- XI ISSUE- XII DECEMBER 2024 PEER REVIEW e-JOURNAL IMPACT FACTOR 8.02 ISSN 2349-638x

यूनेस्को और भारतीय विश्व धरोहर

डॉ.शेखर ब्रम्हने
विभागाध्यक्ष, इतिहास
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
शाासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा म.प्र.

विश्व मे जल तथा थल मे प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित इमारतें, नगर ,जलराशि, पहाड़, जंगल मरुभूमि मूर्तियां जैसे महत्वपूर्ण संरचनाओं का मूल्यांकन , अवलोकन करने के पश्चात यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल के रुप मे अनुमोदित किया जाता है ऐसे चयनित और चिन्हित स्थल के जीर्णोद्धार , संरक्षण की जिम्मेदारी भी यूनेस्को द्वारा निभाई जाती है, ऐसी संरक्षित, धरोहरों को भावी पीढ़ियों के लिये सहेजने का यह प्रशंसनीय प्रयास यूनेस्को द्वारा किया जाता है।

यूनेस्को जिसे United Nation Educational Scientific and Cultural Organ ization विस्तारित रुप से जाना जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र संध की उपशाखा है। वर्तमान मे १९४ सदस्य संख्या के सहित यह विश्व के सबसे बड़े और शक्तिशाली संगठन UNO की उपशाखा है। ज्ञात हो कि यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस मे स्थित है जो वैश्विक स्तर पर शिक्षा विज्ञान सहित सांस्कृतिक दृष्टि से मूल्यवान धराहरों के संरक्षरण, जीर्णोद्धार का दायित्व निभाता है।

संयुक्त राष्ट्र संध के अन्तर्गत आने वाली यह संस्था १६ नवम्बर १९४५ को अस्तित्व मे आयी। विगत वर्ष तक वैश्विक स्तर पर १२०० से अधिक स्थलों को न्छैम्ब्ब द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया जा चुका है जिनमे से ४० से अधिक भारत मे स्थित हैं।

जिन भारतीय प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों को यूनेस्को के द्वारा विश्व विरासत के रुप में शामिल किया गया है वे सभी पर्यटन, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थल है।

यूनेस्कों ने जिन भारतीय धरोहरों को विश्व संरक्षित विरासत घोषित किया है उनका विवरण इस प्रकार है।

अजंता की गुफाएँ –

अजंता महाराष्ट्र के ओरंगाबाद जिले मे स्थित दूसरी सदी ईसा पूर्व में निर्मित गुफाएँ है जिनमे बौद्ध जातक कथाओ का जीवंत चित्रण है। यहां लगभग २९ चट्टानों को काटकर तराशकर इन अद्भुत गुफाओं को तैयार किया गया है।

ताजमहल–

विश्व के अजूबों मे स्थान रखने वाला प्रेम और समर्पण का प्रतीक ताजमहल उत्तरप्रदेश के आगरा शहर मे मुगल शासक शहजहां द्वारा बनवाया गया था स्थापत्य और वास्तु की दृष्टि से ताजमहल अद्वितीय और चित्ताकर्षक है इसके निर्माण मे इस्लामी और भारतीय वास्तुकला का प्रभाव स्पष्ट नजर आता है । अहमद लाहोरी को इस संगमरमर की खूबसूरत इमारत का रचनाकार माना गया है।

आगरा का लाल किला–

ताजमहल से लगभग २.७५ किमी की दूरी पर स्थित लाल किला आगरा में यमुना नदी के तट पर है। वास्तव मे ये विशालकाय किले के भीतर अनेक महलों, बागों, भवनों का कुंज है जैसे यहां अंगूरी बाग, दीवान -ए-आम, दीवान-ए-खास, स्वर्ण मण्डप, जहांगीरी महल, अकबरी महल, खास महल, मछली भवन , मीना मस्जिद, मोती मस्जिद, मुसम्मन बुर्ज, नगीना मस्जिद

(इसके भीतर जनाना मीना बजार था जिसमे केवल महिलायें सामान बेचा करती थी।) नौबत खाना, रंग महल, शाही बुर्ज, शाहजहां महल, शीश महल, इत्यादि महत्वपूर्ण ऐतिहासिक इमारतें इस किले के भीतर मौजूद हैं।

एलोरा की गुफायें-

यूनेस्को विश्व धरोहर के रुप में संरक्षित एलोरा ३४ गुफाओं का समूह है इसमे बौद्ध , जैन तथा हिन्दू धर्म से संबंधित गुफाओं का निर्माण किया गया है। गुफा क्रमांक १ से १२ बौद्ध गुफायें हैं गुफा क्रमांक ३० से ३२ जैन गुफायें एवं १३ से २९ तक की गुफायें हिन्दू धर्म की जान पड़ती हैं इनका निर्माण काल गुप्तोत्तर काल से १००० ई.के मध्य का प्रतीत होता है इन गुफाओं का निर्माण राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा किया गया था। ये सभी मठ औरंगाबाद से लगभग २ किमी मे फैले प्रस्तर खण्डों को काट काट कर बनाया गया है।

कोणार्क का सूर्य मंदिर-

१३ वी शताब्दी मे ओडिसा के कोणार्क के सूर्य मंदिर के निर्माण का श्रेय पूर्वी गंगवंश के शासक नरसिंह देव प्रथम को जाता है १९८४ मे UNESCO ने इसे संरक्षित विश्व धरोहर घोषित किया है।

महाबलिपुरम या मामल्लपूरम का मंदिर-

चैन्नई को मंदिर का शहर कहे तो सही होगा यहां से ३५ मील की दूरी पर समुद्र तट पर स्थित मामल्लपुरम के पल्लव राजाओ ने एकमुस्त पत्थरों को काटकर भव्य मंदिर का निर्माण कराया था जिसे UNESCO ने १९८४ मे विश्व विरासत मे शामिल किया है।

इसके अतिरिक्त केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान , काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान , मानस राष्ट्रीय उद्यान , गोवा के विभिन्न चर्च, खजुराहों, फतेहपुर सीकरी, हम्पी, सुन्दर वन राष्ट्रीय उद्यान, एलिफेंटा की गुफायें, चोल कालीन मंदिर, पन्तदकल, फूलों की घाटी, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान, बौद्ध स्तूप सांची, हुमायुं का मकबरा, कुतुबमीनार, भारतीय पर्वतीय रेल दार्जिलिंग, बोध गया, भीम बेटका, चंपानेर पावागढ़ पुरातन उद्यान, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, लाल किला दिल्ली, जयपुर जंतर मंतर, पश्चिम घाट, राजस्थान के पहाड़ी दुर्ग, ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान, रानी की वाव, नालंदा महाविहार, ली कोर्बुनिए के वास्तुशिल्प चण्डीगढ़, अहमदाबाद का एतिहासिक शहर, मुंबई का विक्टोरियन और मार्टे टेको एनसेंबल, गुलाबी शहर, रामप्पा मंदिर, धोलाबीए, शांति निकेतन पश्चिम बंगाल एवं हायसल मंदिर समूह, उपरोक्त ४० भारतीय स्थलों को यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित कर उनके संरक्षण संवर्धन की जिम्मेदारी भी ली है इसके अतिरिक्त भारत की अनेक ऐतिहासिक महत्व की इमारतों स्थलो को भविष्य मे यूनेस्को की विश्व विरासत मे शामिल करना भी प्रस्तावित है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची-

1. पी.के.अग्रवाल - इंडियन कल्चर आर्ट एंड हेरिटेज
2. राजपाल विनय कुमार - भारत की पुरातात्विक विरासत
3. हिरमेर - इंडिया यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइरस
4. Maps and heritage sites India https://wwwtourmyindia.com
5. map/heritage map-of-indiahtml.retrievedjuly2024
6. UNESCOworldheritage. "the world heritage convention." UNESCO.